28-02

मिल का लोकतन्त्र का विचार :-

व्यक्ति का मूल उद्देश्य – – आन्तरिक विकास
– नैतिक व्यक्तित्व का विकास
– स्वतन्त्रता होना

(लोकतंत्र में) –
- चर्चा / वाद-विवाद
- सक्रिय भागीदारी
- मतदान
- "भाषा"
- आनुपातिक प्रतिनिधित्व
- महिला मताधिकार

मिल ने लोकतंत्र को सर्वोचित बेहतर शासन प्रणाली माना। इसने लोकतंत्र का समर्थन नागरिकों की स्वतंत्रता बनाए रखने हेतु किया। लोकतंत्र के माध्यम से व्यक्ति सामुदायिक क्रियाकलाप में भागीदारी करता है सामुदायिक क्रियाकलापों में सक्रिय भागीदारी द्वारा ही व्यक्ति शिक्षा प्राप्त करता है उसने अपनी रचना "Representative Government" में लिखते हुए कहा - व्यक्ति का नैतिक आत्मविकास राज्य एवं नैतिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण है। व्यक्ति अपनी नैतिक उत्कृष्टता प्राप्त करते हुए भी सामुदायिक जीवन में सहभागिता करेगा। इसके अनुसार किसी की

Scanned with CamScanner

शासन प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता है कि शासन प्रणाली द्वारा व्यक्ति के सद्गुणों का विकास हो। सबसे बेहतर शासन प्रणाली का यही आधार है राज० संस्था द्वारा व्यक्ति के नैतिक और बौद्धिक गुणों का विकास होना चाहिए। एक अच्छे सद्गुणी नागरिक द्वारा ही बेहतर सरकार का निर्माण किया जाता और बेहतर शासन प्रणाली द्वारा व्यक्तियों के चरित्र का विकास सम्भव है। विचारकों के अनुसार मिल की यह मान्यता यूनानी युग के आदर्श विचारकों और इंग्लैं० के आदर्शवादी विचारकों के मध्य महत्वपूर्ण कड़ी है।

बेंथम ने लोकतंत्र का महत्व मानव स्वभाव के आधार पर स्वीकारा था, उसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति मूलतः स्वार्थी है और लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में अधिकतम व्यक्तियों को अधिकतम सुख प्राप्त हो जाता है जो अन्य शासन प्रणालियों से प्राप्त नहीं हो पाता। बेंथम के अनुसार यदि व्यक्तियों को सुख प्रदान करने वाली इससे बेहतर कोई शासन प्रणाली हो तो लोकतंत्र का परित्याग किया जा सकता है।

∴ मेकफर्सन ने लॉक और बेंथम के मॉडल को संरक्षणात्मक मॉडल कहा तथा उन्होंने मिल के लोकतांत्रिक मॉडल को विकासवादी मॉडल की संज्ञा दी। क्योंकि मिल के अनुसार लोकतंत्र के परीक्षण की कसौटी शासन की कुशलता तथा भौतिक सम्पन्नता नहीं बल्कि श्रेष्ठ व्यक्तियों का निर्माण श्रेष्ठ लोकतंत्र का मानदण्ड है।

मिल ने कहा कि जब व्यक्ति के योग्यता के विकास का प्रश्न उठता है तो लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अन्य शासन प्रणालियों से श्रेष्ठ सिद्ध होती है। अन्य शासन प्रणालियाँ निष्क्रिय होती हैं जबकि लोकतंत्र के द्वारा मानवीय मन और क्षमता का पूर्ण विकास होता है। व्यक्ति में स्वयं सहायता, स्वतंत्रता और शक्ति विकास की भावना उत्पन्न होती है, जिससे न केवल व्यक्ति का विकास होता है अपितु समूचे समाज का भी उत्थान हो जाता है। केवल लोकतंत्र के द्वारा नागरिकों को नागरिकता का प्रशिक्षण प्राप्त होता है। लोग के अपने हितों और सामाजिक कल्याण के साथ सामंजस्य हो जाता है। व्यक्ति अपने अधिकांश स्वार्थों से ऊपर उठकर सामुदायिक कल्याण हेतु कार्य करता है। मिल ने यह भी कहा कि सामुदायिक कल्याण एक व्यक्ति की भलाई से ज्यादा महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र से ही जनचेतना का विकास होता है। मिल ने रूसो के प्रत्यक्ष लोकतंत्र के बजाय प्रतिनिधिवादी, लोकतंत्र को स्वीकार उपरोक्त विचारों से प्रतीत होता है कि मिल हेतु लोकतंत्र शासन प्रणाली से बढ़कर एक शिक्षा प्रणाली और जीवन पद्धति है।

Scanned with CamScanner

वेपर के अनुसार राज० चिन्तन के इतिहास में मिल की भाँति मतदान का इतना प्रभावी और प्रबल समर्थन किसी अन्य ने नहीं किया। मिल के अनुसार- मतदान के समय नागरिक (न्यायाधीश) की तरह होता है, उसे अपने मत का प्रयोग व्यक्तिगत न करके सार्वजनिक भलाई हेतु करना चाहिए। मतदाता को यह सोचकर मतदान करना चाहिए कि केवल उसी के मत से पूरी व्यवस्था के निर्णय का निर्धारण होगा ∴ मिल ने मतदान को एक कर्तव्य कहा।

मिल ने लोकतंत्र का समर्थन करते हुए आनुपातिक प्रतिनिधित्व का समर्थन किया, इसके अनुसार प्रतिनिधि सभाएँ मानचित्र की तरह होनी चाहिए जिसमें सभी देशों का उनके आकार के अनुपात में स्थान प्रदान किया जाता है ∴ समाज के प्रत्येक वर्ग और क्षेत्र का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। उसने पहली बार महिला मताधिकार का इतना जोरदार समर्थन किया और अपनी रचना "Subjection of Women" में इस प्रचलित तर्क का खण्डन किया कि महिलाएँ पुरुषों से बौद्धिक रूप से हीन होती हैं। उसने महिलाओं को स्वतंत्रता और समान मत दिलाने हेतु महत्वपूर्ण आवाज उठाई और मिल ने महिलाओं की स्थिति पर अपने विचार निम्न रूपों में प्रस्तुत किए-

(A) मिल के अनुसार विवाह महिलाओं की अन्तिम नियति मान ली गई, अविवाहित महिलाओं का समाज में कोई स्थान नहीं होता।

कोई दशा थी।

(B) परिवार में महिलाओं की ~~कोई~~ दशा दासियों जैसा है उनका मूल काम परिवार की सेवा करना मान लिया गया, उन्हें सम्पत्ति के उत्तराधिकार से भी वंचित रखा गया था।

(C) उसके अनुसार - वैवाहिक सम्बंध - सहमति और समानता पर आधारित होने चाहिए प्रभुत्व के आधार पर नहीं, उसके अनुसार वैवाहिक सम्बन्धों में पुरुषों का महत्व होता है।

(D) पुरुष, महिलाओं की बौद्धिक क्षमता में कोई अंतर नहीं होता। उन्हें मताधिकार मिलना चाहिए।

(E) उसके अनुसार हम सार्वभौम समानता का समर्थन करते हैं लेकिन लैंगिक विषमता को बनाए रखना चाहते हैं। उसके अनुसार स्त्री-पुरुष कार्य हेतु दोनों को समान वेतन दिया जाना चाहिए।

मिल के अनुसार लोकतंत्र जीवनशैली है जिसका अभिप्राय निम्न है -

(1) व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण
(2) सहयोगात्मक व्यवहार का विकास
(3) दूसरे के विचारों के प्रति सहिष्णुता
(4) स्वतंत्र अभिव्यक्ति का सम्मान

मिल ने लोकतंत्र को शिक्षा प्रणाली मानते हुए उसने खुले मतदान का समर्थन किया क्योंकि इससे व्यक्तियों में नैतिकता और सार्वजनिक का विकास होता है। उसने लोकतांत्रिक व्यवस्था में

Scanned with CamScanner

श्रमिकों को वेतन देने का समर्थन नहीं किया। यह उल्लेखनीय है कि मिल ने स्वतंत्रता पर अत्यधिक बल दिया, उनके अनुसार लोकतांत्रिक शासन प्रणाली से ही स्वतंत्रता का सामान संभव है क्योंकि इसमें व्यक्ति को स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लिए वंचित नहीं किया जा सकता।

अनिच्छुक लोकतंत्रवादी –

वेपर ने मिल को अनिच्छुक लोकतंत्रवादी कहा है। उसके अनुसार मिल ने लोकतंत्र को सबसे बेहतर शासन प्रणाली माना, यहाँ तक कि उसे शिक्षा प्रणाली और जीवन शैली के रूप में माना था – "उसके भिन्न विचारों से ऐसा प्रतीत होता है कि वह अनिच्छुक लोकतंत्रवादी है, उसने वेपर के लोकतंत्र को झूठा लोकतंत्र कहा।"

① मिल के अनुसार लोकतांत्रिक शासन प्रणाली का प्रयोग नहीं किया जा सकता है जहाँ लोगों का नैतिक, बौद्धिक विकास न हुआ हो।

② सेबाइन के अनुसार मिल पहला चिंतक है जिसने कहा कि – लोकतांत्रिक प्रणाली हेतु लोकतांत्रिक समाज होना चाहिए, जिससे स्पष्ट है कि वह लोकतंत्र को सभी समाजों के लिए नहीं मानता था।

③ मिल ने बहुल मतदान का समर्थन किया, उसके अनुसार शिक्षित तथा सम्पत्तिशाली व्यक्तियों को 1 से ज्यादा मत प्राप्त होने चाहिए।

④ उसने लोकतंत्र में गुणों को बनाए रखने पर बल दिया। लेकिन संख्या बनाए रखने का समर्थन किया।

(5) इसके अंतर्गत व्यक्तियों के 1 मत की संकल्पना को, झूठा लोकतंत्र कहा।

(6) हैमिल्टन के अनुसार जनता महान पशु होती है, अगर लोगों की शक्ति को नियंत्रित नहीं किया गया तो वे अन्यायपूर्ण, निरंकुश, आततायी हो जाते हैं। जिस प्रकार एक राजा बर्बर हो जाता है, इसे बहुमत की निरंकुशता कहा जाता है। बहुमत की निरंकुशता के सन्दर्भ में मिल का विचार D. टाकविले के विचारों से प्रभावित था, इसने (टाकविले) ने अपनी रचना "Democracy In America" में लिखा कि U.S. में स्वतंत्रता का लोप हो रहा है तथा बहुमत की निरंकुशता पनप रही है। एक व्यक्ति, एक मत के परिणामतः जनमत का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। मिल के अनुसार ऐसा आवश्यक नहीं कि जहाँ लोकतंत्र हो वहाँ लोगों को वैयक्तिक स्वतंत्रता प्राप्त हो बल्कि लोकतांत्रिक शासन में भी स्वतंत्रता का दमन हो सकता है। ब्रिटेन में तत्कालीन समय में मजदूरों के मताधिकार का आन्दोलन चल रहा था और मिल के अनुसार लोकतंत्र का अभिप्राय बहुमत का शासन नहीं है। वह इससे भयभीत था कि U.S. की भाँति ब्रिटेन में भी बहुमत की निरंकुशता न हो जाए। टाकविले के अलावा नीत्शे ने भी लोकतंत्र का समर्थन नहीं किया। नीत्शे के ~~समस्त~~ अनुसार यूरोप में लोकतांत्रिकता, दास भावना का निर्माण करता जा रहा है।

मिल के अनुसार भारत जैसे देशों में लोकतंत्र का प्रयोग नहीं हो सकता क्योंकि सभी समाजों के विकास का स्तर समान नहीं होता। वेपर के अनुसार बेंथम - सविलियन बहुमतवादी तथा मिल ऐतिहासिक सापेक्षवादी हैं, उसके अनुसार पिछड़ी जातियों हेतु लोकतंत्र का प्रयोग नहीं किया जा सकता। अतः इसने असभ्य जातियों पर सभ्य लोगों का नैतिक समर्थन किया यद्यपि उसने कहा कि शासन इस प्रकार नहीं होना चाहिए कि असभ्य जातियाँ गुलाम जातियों में बदल जाएँ।

निष्कर्ष - मिल महान लोकतंत्रवादी विचारक है, तत्कालीन में लोकतंत्र का उसने प्रबल समर्थन किया नहीं है परन्तु वेपर के अनुसार वह आधुनिक मानदण्डों से अभिरुचक लोकतंत्रवादी है और आधुनिक लोकतंत्र का मूल आधार एक व्यक्ति, एक मत की मान्यता है जो उसने नहीं स्वीकारा, उसके अनुसार स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल प्राण है।

Scanned with CamScanner